गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Si न्यूज़

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 02 अंक: 47 | गोरखपुर रविवार 04 मई 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

एनबीए, एआईआरएफ एवं नैक मूल्यांकन हेतु संस्थान स्वप्रेरणा से आगे बढ़ें, पूर्ण तैयारी के साथ आवेदन करें: मुख्यमंत्री

- **मुख्यमंत्री का निर्देश– छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए पात्र एक भी छात्र वंचित न रहे, समयबद्ध रूप से लाभ सुनिश्चित कराया जाए**
- **अगले शैक्षणिक सत्र से नवस्थापित बस्ती, गोंडा, मीरजापुर एवं प्रतापगढ़ राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अपने परिसरों से होंगे संचालित**
- **तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों को उद्योगों से जोड़ें, इंटर्नशिप योजनाओं का अधिकाधिक लाभ सुनिश्चित कराएं: मुख्यमंत्री**

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राविधिक एवं व्यावसायिक शिक्षा में नवाचारों के समावेश एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि विगत आठ वर्षों में तकनीकी शिक्षा को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, नवाचारपरक एवं परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक ठोस पहलें की गई हैं, जिनके उत्साहवर्धक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए सभी प्राविधिक संस्थान नैक, एनबीए तथा एनआईआरएफ मूल्यांकन में प्रतिभाग करें, परंतु आवेदन से पूर्व व्यापक तैयारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा (SIRF) के तहत राजकीय एवं अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग की सराहना करते हुए इसके अंतर्गत निजी संस्थानों को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए, ताकि समस्त संस्थानों में गुणवत्ता की समान मानक सुनिश्चित हो सकें। मुख्यमंत्री जी शुक्रवार को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्राविधिक शिक्षा मंत्री श्री आशीष पटेल तथा व्यावसायिक शिक्षा मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ में वर्ष 2024–25 हेतु कुल 1.64 लाख सीटों पर नामांकन हुआ है। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन किया गया है, जिसमें टडडउ आधारित अध्ययन, चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, मल्टीपल एंट्री–एग्जिट तथा इंटीग्रेटेड प्रोग्राम सम्मिलित किए गए हैं। सत्र 2023–24 में विश्वविद्यालय के 12,739 छात्रों को रोजगार प्राप्त हुआ, जिसमें अधिकतम वार्षिक वेतन ?59.91 लाख रहा। इसी प्रकार, एमएमएमयूटी, गोरखपुर में वर्ष 2023–24 में छात्रों को ?52 लाख वार्षिक वेतन तक के पैकेज पर प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट मिला। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों में व्यवहारिक अध्ययन को और अधिक सशक्त बनाने के निर्देश दिए तथा गुणवत्तापूर्ण प्रयोगशालाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक श्रेणी के सभी रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि नवस्थापित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती, गोंडा, मीरजापुर एवं प्रतापगढ़ के भवन निर्माण तथा परिसर विकास से जुड़ी सभी परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं, ताकि अगले शैक्षणिक सत्र से यह कॉलेज अपने निजी परिसरों से संचालित हो सकें।

जाति जनगणना को लेकर बोले तेजस्वी यादव, पिक्चर अभी बाकी है

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में जाति जनगणना को लेकर राजनीतिक वाकयुद्ध बढ़ता जा रहा है। विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा मजबूरी में लिया गया निर्णय बताया है। इसके साथ ही उन्होंने एक्स पर लिखा कि जातिगत जनगणना तो शुरूआत है, पिक्चर अभी बाकी है। उन्होंने आगे लिखा कि पिछड़ों/अति पिछड़ों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र, निजी क्षेत्र में आरक्षण, ठेकेदारी में आरक्षण, न्यायपालिका में आरक्षण, मंडल कमीशन की शेष सिफारिशों को लागू करेंगे, आबादी के अनुपात में आरक्षण देंगे, बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा, बिहार के लिए विशेष पैकेज। राजद नेता ने कहा कि उच्च मानसिकता के समता विरोधी संकीर्ण व नकारात्मक संघी/भाजपाई इस पर भी हमें गाली देंगे लेकिन बाद में बेशर्म हमारे ही एजेंडे को अपना मास्टर स्ट्रोक कहेंगे। कितने खोखले लोग है ये? वहीं, पटना में मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि यह कदम भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की स्वैच्छिक पहल नहीं है, बल्कि यह जनता के बढ़ते दबाव का नतीजा है। तेजस्वी ने कहा, "यह कोई फैसला नहीं है, यह मजबूरी है। उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा था। हम इस मुद्दे को सालों से उठा रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा, "भले ही उन्होंने जनगणना की घोषणा कर दी हो, लेकिन अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कब शुरू होगी।

जब तक आईडी वेरिफाई नहीं हो जाती तब तक...

भारत में रह रहे 6 पाकिस्तानियों को वापस भेजने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जन्मे बेंगलुरु के एक व्यक्ति ने अपने परिवार के निर्वासन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। उनका दावा था कि वे भारतीय नागरिक हैं और उनके पास भारतीय पासपोर्ट और आधार कार्ड हैं। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को छह लोगों के परिवार के निर्वासन पर रोक लगा दी और अधिकारियों से कहा कि वे पाकिस्तान में निर्वासन जैसी कोई बलपूर्वक कार्रवाई न करें। परिवार पर आरोप है कि वे अपने पहचान दस्तावेजों के सत्यापन के आदेश तक अपने वीजा की अवधि से अधिक समय तक वहां रहे। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे। वकील और याचिकाकर्ता दोनों की दलीलों पर विचार करने के बाद, पीठ ने सरकारी अधिकारियों को परिवार के सदस्यों के दस्तावेजों की जांच करने का निर्देश दिया ताकि उनकी भारतीय नागरिकता की वैधता निर्धारित की जा सके। मामले के मानवीय पहलू को देखते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने परिवार को यह स्वतंत्रता दी कि यदि वे दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया से असंतुष्ट हैं तो वे जम्मू–कश्मीर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय अहमद तारिक बट और उनके परिवार के पांच सदस्यों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि वैध भारतीय दस्तावेज होने के बावजूद उन्हें हिरासत में लिया गया और पाकिस्तान वापस भेजने के लिए वाघा सीमा पर ले जाया गया। पीठ ने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद, केंद्र ने 25 अप्रैल को एक अधिसूचना जारी की थी, जिसमें आदेश में उल्लिखित कुछ श्रेणियों को छोड़कर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए थे और उनके निर्वासन के लिए विशिष्ट समय सीमा निर्धारित की गई थी।

सिद्धरमैया का दावा...

मुझे धमकी भरे फोन आए, पुलिस से दोषियों का पता लगाने को कहा

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को खुलासा किया कि उन्हें भी धमकी भरे फोन कॉल आए हैं और उन्होंने पुलिस को जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने के लिए सतर्क कर दिया है। सिद्धारमैया ने मंड्या में संवाददाताओं से कहा, "मुझे भी धमकी भरे फोन आए हैं, क्या किया जा सकता है? मैंने इस मामले में पुलिस को सूचित कर दिया है कि इसके पीछे कौन है, इस पर कार्रवाई की जाए। हां, मुझे धमकी भरे फोन आए हैं।" विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर को कथित तौर पर धमकी भरे फोन आने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए सिद्धारमैया ने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस को निर्देश दिया गया है कि मंगलुरु में बदमाश सुहास शेट्टी की हत्या में शामिल अपराधियों का जल्द से जल्द पता लगाया जाए और उन्हें गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाए। सिद्धरमैया ने कहा कि उन्हें अभी तक हत्या का कारण पता नहीं चला है। उन्होंने कहा, उसके (शेट्टी) बारे में कहा जाता है कि वह एक गुंडा था। इसकी जांच होनी चाहिए। हत्या के बाद मैंने कल पुलिस से बात की और हमने एडीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) को मंगलुरु भेजा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, यह पूर्वनियोजित था या नहीं यह अभी पता नहीं चल पाया है।

मोदी के बयान पर कांग्रेस का पलटवार

हम तो चैन की नींद सो लेंगे, पीएम के लिए सोना मुश्किल होने वाला है

एजेंसी

नई दिल्ली। विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि मुझे नहीं पता कि पीएम किस आधार पर ऐसा कह रहे हैं। पीएम ही वह व्यक्ति होंगे जिनकी रातों की नींद हराम होगी, न कि इंडिया अलायंस, राहुल गांधी या कांग्रेस। हम जाति जनगणना के मुद्दे पर उन पर अधिकतम दबाव बनाने जा रहे हैं। उन्होंने इसे महिला आरक्षण विधेयक की तरह घोषित किया। हम तो चैन की नींद सो लेंगे, लेकिन पीएम के लिए सोना मुश्किल होने वाला है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा देश का दुर्भाग्य है कि ऐसे नाजुक समय में, जब देश का समूचा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है, देश के प्रधान मंत्री ऐसी फूहड़ राजनीति कर रहे हैं।

सम्पादकीय

जाति जनगणना, भाजपा के दांव से असमंजस में विपक्ष

लंबे समय तक असहमति के बाद आखिरकार भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार ने घोषणा कर दी है कि जाति गणना अगली जनगणना का हिस्सा होगी। बहरहाल, भाजपा ने विपक्ष के जातीय गणना के मुद्दे की हवा निकाल दी है। यह आश्चर्यजनक निर्णय विषम परिस्थितियों के बीच आया है जब देश को उम्मीद थी कि सरकार पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई करेगी। हालांकि, भाजपा ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित चुनावी प्राथमिकताओं से प्रभावित नहीं होंगे। निस्संदेह, राजग का अल्पकालिक लक्ष्य इस साल के अंत में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव जीतना है। वहीं बड़ा उद्देश्य देशभर में जाति के मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों को पछाड़ना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2023 में यह कहकर चीजों को सरल बनाने की कोशिश की थी कि देश में चार ही जातियां हैं– महिलाएं, युवा, किसान और गरीब। यही वजह है कि ध्रुवीकरण की अपनी ताकत के प्रति आश्वस्त भगवा पार्टी ने विपक्ष को जाति का कार्ड खेलने दिया। हालांकि, इसका झटका भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में लगा। ये परिणाम भाजपा के लिये आंख खोलने वाला था। हालांकि, वह नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल युनाइटेड और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी के सहयोग से किसी तरह सरकार बनाने में कामयाब हो गई। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि गठबंधन की मजबूरियों के चलते ही भाजपा को जाति जनगणना के मुद्दे पर यह फैसला लेना पड़ा है। हालांकि, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के दबाव ने भी इस निर्णय में बड़ी भूमिका निभाई है। एक अन्य प्रमुख कारण भीमराव अंबेडकर की विरासत को लेकर खींचतान भी है। कोई भी राजनीतिक दल सामाजिक न्याय के उनके महान सपने को पूरा करने के लिये आधे–अधूरे दृष्टिकोण को अपनाने का जोखिम नहीं उठा सकता, खासकर भाजपा। कहा जा रहा है कि जाति जनगणना के जरिये नीति निर्माताओं को विशिष्ट समुदायों की आवश्यकता के अनुसार कल्याणकारी योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। इसमें दो राय नहीं कि जाति आधारित जनगणना में पारदर्शी सूचनाओं के संग्रह और डेटा के सार्थक उपयोग से सामाजिक असमानताओं को दूर करने में काफी हद तक मदद मिल सकती है। लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि इसके लिये समय सीमा तय की जाए, क्योंकि पहले ही जनगणना में काफी देरी हो चुकी है। यह भी हकीकत है कि केंद्र सरकार के लिये अगली जनगणना के साथ ही जाति गणना कराने का फैसला खासा चुनौतीपूर्ण है। जिसके गहरे निहितार्थ सामने आ सकते हैं, जो राजनीतिक व सामाजिक परिदृश्य में बदलावकारी प्रभाव छोड़ सकते हैं। बहुत संभव है कि इसके बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग भी जोर पकड़े। लेकिन प्रथम दृष्टया भाजपा विपक्ष के बड़े हथियार को हथियाने में सफल रही है।

राशिफल

मेषः– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वाणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृषभः– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुनः– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्कः– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कार्य में आलस्य का त्याग करें।

सिंहः– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुलाः– कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर होंगे।

वृश्चिकः– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनुः– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकरः– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाऐंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभः– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

केरल में भाजपा की ईसाई-पहुंच योजना को लगा झटका

पी. श्रीकुमारन

केरल में भाजपा के बहुचर्चित ईसाई–पहुंच कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा किये गये आत्मघाती गोल के कारण गहरा झटका लगा है, यद्यपि संसद द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किये जाने के बाद, भाजपा को केरल में ईसाई समुदाय में सेंध लगाने में थोड़ी सफलता मिली थी।वास्तव में, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर का एनार्कुलम जिले के मुनंबम में ईसाई समुदाय के एक वर्ग द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भाजपा और केंद्रीय मंत्री किरेनरिजिजू ने मुनंबम में 600 से अधिक ईसाई परिवारों के बीच उम्मीद जगायी थी, जो केरल वक्फ बोर्ड (केडब्ल्यूबी) के साथ कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं। बोर्ड ने इस आधार पर उनकी संपत्ति पर दावा किया है कि यह संपत्ति उसकी है। केंद्रीय मंत्री ने ईसाई परिवारों का पक्ष लेने के लिए मुनंबम का दौरा भी किया। भाजपा ने शुरू में यह दावा करके उनकी उम्मीदें जगायी थीं कि विधेयक के कानून बन जाने पर इसका पूर्वव्यापी प्रभाव पड़ेगा और इससे उन्हें लाभ होगा। वास्तव में, भाजपा केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल (केसीबीसी) को इसी आधार पर वक्फ (संशोधन) विधेयक का समर्थन करने के लिए राजी करने में सफल रही थी। लेकिन मुनंबम के ईसाइयों को, हालांकि थोड़ी देर से ही सही, यह एहसास हो गया है कि कानून से उन्हें कोई लाभ नहीं होगा। रिजिजू ने खुद स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि कानून से मुनंबम के निवासियों को केडब्ल्यूबी के साथ उनकी कानूनी लड़ाई में मदद मिलेगी। ईसाई परिवार अब इस बात से नाराज हैं कि भाजपा और केंद्र सरकार ने उन्हें धोखा दिया है। मानो यह काफी नहीं था, आरएसएस ने अपने मुखपत्रऑर्गनाइजर में ईसाई समुदाय और चर्च को निशाना बनाते हुए लगातार दो लेख प्रकाशित करके आग में घी डालने का काम किया। संक्षिप्त हनीमून खत्म हो गया और भाजपा–आरएसएस गठबंधन की राजनीतिक चालाकी ने ईसाई समुदाय के गुस्से को फिर से भड़का दिया। संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने के तुरंत बाद, लेखों के प्रकाशन का समय महत्वपूर्ण है, जिसे उनके द्वारा किये गये हंगामे के बाद वापस ले लिया गया है। लेकिन नुकसान हो चुका है। केसीबीसी के आधिकारिक प्रवक्ता फादर थॉमस थारायिल ने स्वीकार किया कि लेख के प्रकाशन का समय निश्चित रूप से चिंता का विषय है। लेख में दावा किया गया था कि भारत में कैथोलिक चर्च के स्वामित्व वाली भूमि देश में वक्फ संपत्तियों से कहीं अधिक है। लेख में यह भी कहा गया था कि ब्रिटिश शासकों ने चर्च को लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि पट्टे पर दी थी, और बताया कि 1965 का एक नियम अभी तक लागू नहीं हुआ है, जो औपनिवेशिक युग के चार्टर, वसीयत, पट्टे और किराये के समझौतों को निरर्थक बनाता है। संसद द्वारा पारित विधेयक केंद्र सरकार को शैक्षणिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए मुस्लिम धार्मिक बंदोबस्त को विनियमित करने का अधिकार देता है। बेशक, सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने सरकार को कानून के तत्काल कार्यान्वयन के साथ आगे बढ़ने से रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट 5 मई को इस मुद्दे पर सुनवाई फिर से शुरू करेगा। विपक्षी दलों ने चर्च की संपत्तियों पर नियंत्रण करने के केंद्र सरकार के कदम की कड़ी निंदा की है। उनका कहना है कि मुसलमानों के बाद, मोदी सरकार अब अपने अल्पसंख्यक विरोधी एजेंडे के तहत ईसाइयों को निशाना बना रही है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराईविजयन, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केरल में विपक्ष के नेता वीडीसतीशन और केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने कहा कि लेख भाजपा–आरएसएस के असली इरादों को उजागर करते हैं, और वह है अल्पसंख्यकों को परेशान करना।

विजयन ने अल्पसंख्यक समूहों को एक–एक करके निशाना बनाने और उन्हें चरणबद्ध तरीके से नष्ट करने की एक बड़ी योजना देखी। भाजपा सरकार देश में अल्पसंख्यकों को संविधान द्वारा दी गयी गारंटी और सुरक्षा को कमजोर कर रही है। चर्च द्वारा संचालित दीपिका ने संपादकीय में कहा कि हालांकि आरएसएस ने लेख वापस ले लिए हैं, लेकिन ऑर्गनाइजर ने अभी तक यह स्वीकार नहीं किया है कि उसके द्वारा प्रकाशित जानकारी गलत है। यह केवल उन लेखों के बारे में नहीं है जिन्हें आरएसएस ने वापस ले लिया है या अस्वीकार कर दिया है। यह जिन विचारों को आगे बढ़ाता है और जो कार्य करता रहता है, वे देश में अल्पसंख्यकों, जिनमें ईसाई भी शामिल हैं, की समान नागरिकता की भावना के लिए हानिकारक हैं। लेख में उत्तरी भारत में ईसाइयों पर चल रहे हमलों को भी उजागर किया गया है, साथ ही केंद्र सरकार की चुप्पी की भी आलोचना की गयी है, जो ईसाई समुदाय के खिलाफ हिंसा करने वालों को बढ़ावा दे रही है।

इसके अलावा, इंडिया करंट्स, जोउत्तरी भारत के क्रिस्ट ज्योति प्रांत के कैपुचिन्स के संरक्षण में प्रकाशित एक प्रकाशन है,और जो एक धार्मिक मण्डली तथा चर्च के बढ़ते डर को प्रतिध्वनित करती है, के संपादकीय में कहा गया कि कई समूह, यहां तक कि कुछ जिन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, इसे जीत के रूप में मना रहे हैं।

कुछ खास...

जातिगत जनगणना: आगे की राह?

केन्द्र सरकार ने आखिरकार जातिगत जनगणना कराना स्वीकार कर लिया है। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नरेन्द्र मोदी सरकार ने ऐलान किया कि जनगणना के जरिये सरकार लोगों की जातिवार संख्या भी जुटायेगी। हालांकि इसकी घोषणा करते हुए कैबिनेट ने यह नहीं बताया कि यह काम कब शुरू होगा। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने यह मांग पिछले लगभग दो वर्षों से जोर–शोर से उठाई हुई थी जिसमें उसके नेतृत्व में बने इंडिया गठबन्धन ने भी अपना स्वर मिलाया है। इस मांग के कारण लगभग हाशिये पर जा चुकी कांग्रेस को भारतीय राजनीति में बड़े पैमाने पर लौटने का मौका मिला था। संविधान की रक्षा का जो नारा कांग्रेस समेत उसके सहयोगी प्रतिपक्षी दलों ने दिया था, उसने 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के संख्या बल को 2019 के मुकाबले काफी घटाया था। 2024 के प्रारम्भ में हुई राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की थीम भी जातिगत जनगणना की मांग को तर्कसंगत व जरूरी बताती थी। इस मांग को राहुल ने सड़कों पर बड़े पैमाने पर उठाया था। उन्होंने बार–बार यह बात कही थी कि देश में दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, आदिवासियों आदि की संख्या सर्वाधिक है परन्तु संसाधनों एवं अवसरों में उनकी हिस्सेदारी बहुत कम है। यह एक तरह से कांशीराम की उठाई वह मांग है जिसमें वे कहते थे कि श्जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी श कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते राहुल को इस मांग को उठाते हुए कोई उजर नहीं था कि यह बहुजन नेता की बात की ही प्रतिध्वनि है जिसकी वारिस मायावती इस मामले पर चुप्पी साधे हुई हैं। वे लोगों को अपने भाषणों में बतलाते रहे हैं कि केन्द्रीय सचिवालय में केवल 5 ही सचिव स्तर के ऐसे अधिकारी हैं जो ओबीसी हैं। राहुल यह भी बतलाते रहे कि बजट के पांच प्रतिशत पर ही इनका नियंत्रण है। इसलिये ओबीसी, दलितों आदि के साथ न्याय नहीं होता। उनके द्वारा संसद में भी यह मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया गया जिसे इंडिया के सहयोगियों, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल का जबर्दस्त साथ मिला। राहुल ने वर्तमान लोकसभा के प्रारम्भिक सत्रों में चेताया था कि विपक्ष सरकार से जाति आधारित जनगणना करा कर रहेगा। राहुल का कहना था कि श्भाजपा सरकार इस मांग को पूरा नहीं करेगी तो इंडिया सरकार करेगी। भाजपा की पूरी राजनीति ही इसके विपरीत है– सवर्णों को बल देने वाली। इसे लेकर राहुल का न केवल मजाक उड़ाया गया वरन उन्हें अपमानित भी किया गया था।

पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन पर तंज कसा था कि, जिन्हें अपनी जाति का पता नहीं वे जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं श भाजपा तथा उसके सहयोगी एनडीए के सांसदों ने इसका भरपूर लुत्फ उठाया था परन्तु अब सरकार के इस एकतरफा निर्णय से वे हैरान हैं क्योंकि वे नहीं जानते कि जनता को इस बात का क्या जवाब दें कि आखिर उनकी पार्टी की सरकार ने यह फैसला क्योंकर लिया जो अब तक इसकी विरोधी थी। फैसले की हां में हां मिलाने के अलावा जिन पार्टी सदस्यों, समर्थकों, नेताओं, विधायकों व सांसदों के पास और कोई चारा नहीं है वे यह कहकर इसे मोदी का मास्टरस्ट्रोक साबित करने पर तुले हैं कि इस फैसले ने राहुल, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के हाथ से बड़ा मुद्दा छीन लिया है।

आमिर खान अब सितारे जमीन पर से 10 नए बच्चों को करेंगे लॉन्च

आमिर खान की अगली फिल्म सितारे जमीन पर रिलीज के लिए तैयार है। यह फिल्म उनकी 2007 में आई दिल को छू जाने वाली फिल्म तारे जमीन पर की आध्यात्मिक अगली कड़ी मानी जा रही है। दर्शक इस नई फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें एक बार फिर बच्चों की भावनात्मक और प्रेरणादायक कहानी देखने को मिलेगी। तारे जमीन पर ने दर्शील सफारी को लॉन्च किया था, जिन्होंने एक डिस्लेक्सिया से जूझते बच्चे का किरदार निभाकर सभी का दिल जीत लिया था। उनकी मासूमियत और भावनात्मक अभिनय को खूब सराहा गया था। अब सितारे जमीन पर में आमिर खान 10 नए और प्रतिभाशाली बाल कलाकारों को लॉन्च करने जा रहे हैं। फिल्म एक दिल को छू जाने वाली कहानी के जरिए इन बच्चों को मंच देने वाली है, जो न केवल दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ती है बल्कि समाज को एक बार फिर सोचने पर मजबूर करेगी। आमिर खान इस फिल्म के जरिए एक बार फिर बच्चों की दुनिया और उनकी चुनौतियों को बड़े पर्दे पर लाने का काम कर रहे हैं।

शहाना गोस्वामी ने करवाया न्यूड फोटोशूट

● कैमरे की तरफ बैक कर फ्लॉन्ट किया टैटू, जंगल में आग की तरह वायरल हुई तस्वीर

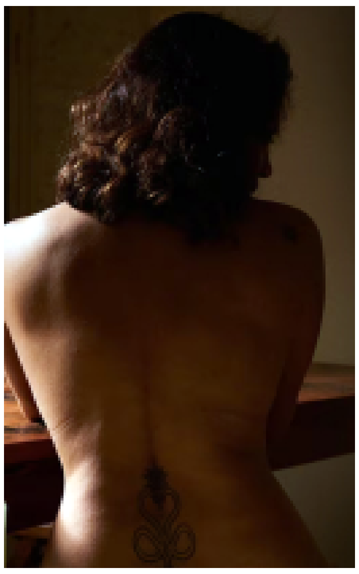

एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी, जो रॉक ऑन!! जैसी फिल्मों में दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं, एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार कारण है उनका हद से ज्यादा बोल्ड और आत्मविश्वास से भरा एक न्यूड फोटोशूट जिसे उन्होंने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। उनकी यह तस्वीर तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रही है और इस पर मिलीजुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।शहाना ने यह फोटोशूट फ्रीलांस फोटोग्राफर टियाना कामटे के साथ मिलकर किया है, जो खासकर न्यूड फोटोग्राफी के लिए जानी जाती हैं। इस फोटोशूट की एक तस्वीर को गुरुवार की शाम शहाना ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। फोटो में वह एक लकड़ी की कुर्सी पर बैठी हुई नजर आ रही हैं। वह कैमरे की ओर उनकी पीठ पोज दे रही हैं। इस दौरान वह बिना कपड़ों के बेहद बोल्ड अवतार में नजर आ रही हैं। तस्वीर में उनकी पीठ पर बना एक टैटू भी दिखाई दे रहा है। तस्वीर पोस्ट करते ही यह सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई। कई लोगों ने इस तस्वीर को आत्मविश्वास और कला का प्रतीक बताया, वहीं कुछ ने इस पर सवाल भी उठाए। एक यूजर ने कमेंट कियारू यह आत्मविश्वास और सुंदरता की बोल्ड अभिव्यक्ति है। वहीं एक अन्य ने लिखारू फोटोग्राफी जमे हुए समय की कला है३ संवेदनाओं को कैद करने की क्षमता। हालांकि, कुछ ने यह भी लिखा लोग कब समझेंगे कि नग्नता सिर्फ कला नहीं होती ?यह पहली बार नहीं है जब टियाना कामटे ने किसी सेलेब्रिटी के साथ इस तरह का फोटोशूट किया हो। इससे पहले कुबरा सैत और रिताशा राठौर भी उनके साथ न्यूड फोटोग्राफी में हिस्सा ले चुकी हैं। शहाना गोस्वामी को हनीमून ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड, रॉक ऑन!!, फिराक, मिडनाइट्स चिल्ड्रन, हीरोइन और गली गुलियां जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। हाल ही में उन्हें संतोष और डिस्पैच में देखा गया था।

बेटी वामिका के बर्थडे से विरुष्का की अनसीन तस्वीरें

प्यार की बाहों में भरे दिखे विराट, कोर्ड सेट में संतूर मॉम लगी अनुष्का

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने गुरुवार 1 मई को 37वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। यह खास दिन तब और भी भावुक और यादगार बन गया जब विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाली बर्थडे विश शेयर की।उन्होंने अपनी पोस्ट में वमिका के जन्मदिन की एक थ्रोबैक तस्वीर साझा की, जिसमें परिवार की प्यारी झलक दिखाई दे रही थी। तस्वीर में अनुष्का प्यार विराट कोहली की बाहों में कैद दिखीं। उनके चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान देखने को मिल रही है। लुक की बात करें तो अनुष्का ने रियल वेवस्टोरी ब्रांड का सिंपल और प्लेन व्हाइट कोर्ड सेट पहना था। इसमें स्लीवलेस कॉटन गाज टॉप और हाई वेस्टड शॉर्ट्स थे। एक्ट्रेस ने इसके साथ कोई ज्यूलरी पेयर नहीं किया है। वहीं विराट ने मोनोक्रोम लुक अपनाया। क्रीम शर्ट और पैंट में विराट हैंडसम दिखे। दूसरी तरफ नीति ने भी अनुष्का को विश करने के लिए वामिका के बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीर चुनी। तस्वीरों में एक धूप भरा, गुब्बारों से सजा हुआ खूबसूरत सेटअप नजर आ रहा है, जिसमें वमिका का जन्मदिन बेहद प्यारे अंदाज में मनाया गया। तस्वीर में अनुष्का शर्मा और विराट कोहली एक-दूसरे के बेहद करीब खड़े नजर आ रहे हैं, जहां विराट ने बेहद प्यार से अपना हाथ अनुष्का के कंधे पर रखा हुआ है। इस प्यारी तस्वीर में उनके साथ नीति मोहन, उनके पति निहार पांड्या और उनका बेटा भी नजर आ रहे हैं।सभी के चेहरों पर मुस्कान थी। वमिका के जन्मदिन की तस्वीरों में बैकग्राउंड में नजर आ रही सजावट (डेकोर) ने इस जश्न में एक खास पर्सनल टच जोड़ दिया।

इटली में छुट्टियां मना रहीं अनन्या पांडे ने शेयर की तस्वीरें, दिखी मस्ती भरी झलक

अक्षय कुमार और आर माधवन स्टारर फिल्म केसरी चैप्टर 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। 70 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन करने वाली फिल्म की अभिनेत्री अनन्या पांडे इटली में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जिसमें वह खूब मस्ती करती दिखीं।इंस्टाग्राम पर शेयर तस्वीरों में अनन्या पांडे आइसक्रीम खाती और बोट पर राइड करती नजर आईं। शेयर की गई अन्य तस्वीरों में से एक में अनन्या ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। उन्होंने हाथ में हैंड बैग कैरी किया हुआ है और बालों को खुला छोड़ा है। बैकग्राउंड में झील और पहाड़ के खूबसूरत नजारे देखने को मिल रहे हैं। अन्य तस्वीरों में टेस्टी डिशेज, होटल और उनके आउटफिट्स के कलेक्शन की भी तस्वीरें शामिल हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। फैंस उनके इस पोस्ट को लाइक तो कर ही रहे हैं, साथ ही कमेंट्स भी कर रहे हैं। इससे पहले अनन्या ने तस्वीरें शेयर की थीं, जिस पर अमिताभ बच्चन की नातिन और उनकी खास दोस्त नव्या नवेली नंदा ने भी कमेंट किया था। नव्या ने अनन्या की तस्वीरों पर कमेंट में प्यार का इजहार करने वाले इमोजी का इस्तेमाल किया।अभिनेत्री ने इससे पहले भी इटली से कई तस्वीरें इंस्टा पर शेयर की थीं, जिसमें वह बेहद कूल और स्टाइलिश लुक में नजर आईं। तस्वीरों में उन्होंने येलो कलर की फ्लेयर वाली ड्रेस पहनी हुई थी। वह बोट की सवारी भी करती दिखीं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, कुछ मीठी इटैलियन लाइफ जीते हुए। अनन्या इन दिनों केसरी चैप्टर 2 की सफलता का जश्न मना रही हैं। उन्होंने साल 2016 में करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म पर्दे पर हिट रही। इसके बाद वह पति पत्नी और वो, खाली पीली, गहराइयां, लाइगर, ड्रीम गर्ल 2, खो गए हम कहां, जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में कैमियो भी किया। फिल्मों के अलावा, उन्होंने सीरीज कॉल मी बे के जरिए ओटीटी भी कर चुकी हैं।

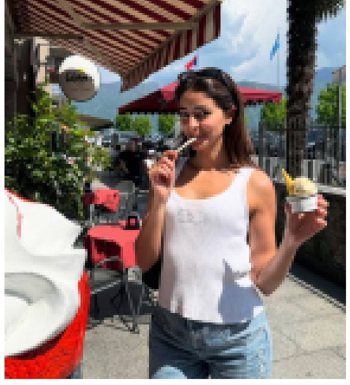

"मेरा पति मुझे प्यार नहीं करता", अगर आपकी भी है ऐसी शिकायत तो अपनाएं ये टिप्स

"मेरा पति मुझे प्यार नहीं करता", अगर आपकी भी है ऐसी शिकायत तो अपनाएं ये टिप्स

आपको भी लगता है कि आपके पति अब आपको पहले जैसा प्यार नहीं करते तो आपको कुछ ऐसी आदतें व टिप्स को अपनाना होगा जो इस परिस्थिति में मदद कर सकते है। अगर लगे पति का प्यार कम हो गया है, तो अपनाएं ये आसान उपाय। अभिनेता और कॉमेडियन सुनील ग्रोवर का वो गाना तो सुना ही होगा, 'मेरे हसबैंड मुझको पियार नहीं करते...' इस गाने के लिरिक्स से शायद महिलाएं अधिक जुड़ाव महसूस करती हैं क्योंकि अक्सर ही महिलाएं ऐसी ही शिकायत करती सुनाई देती हैं। यह बहुत ही आम समस्या है जिससे कई महिलाएं गुजरती हैं। इस गाने को भले ही मनोरंजन के लिहाज से गाया जाए लेकिन शादीशुदा महिलाओं के लिए यह बहुत संवेदनशील समस्या है। जब किसी महिला को यह महसूस होने लगता है कि उसका पति उसे पहले जैसा प्यार और ध्यान नहीं देता है तो मन में निराशा, अकेलापन और तनाव आना स्वाभाविक है। हालांकि रिश्ते में उतार-चढ़ाव सामान्य है। कुछ सकारात्मक कोशिशों से स्थिति बेहतर की जा सकती है। आपको भी लगता है कि आपके पति अब आपको पहले जैसा प्यार नहीं करते तो आपको कुछ ऐसी आदतें व टिप्स को अपनाना होगा जो इस परिस्थिति में मदद कर सकते है। अगर लगे पति का प्यार कम हो गया है, तो अपनाएं ये आसान उपाय।

सीधे बात करें, मन में न रखें

अपने मन की बात बिना झिझक के पति से शांत और सकारात्मक तरीके से कहें। यह न सोचें कि वह खुद समझ जाएंगे, बल्कि आपके बीच संवाद जरूरी है। हालांकि शिकायतें या दिल दुखाने वाली बातें करने की बजाय उनसे सरल शब्दों में अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति करें। "तुम मुझसे प्यार नहीं करते" कहने की बजाय कहें, "मुझे लगता है कि हम पहले जितना जुड़ाव महसूस नहीं कर पा रहे हैं। क्या हम इस बारे में बात कर सकते हैं?"

छोटी-छोटी खुशियों को महत्व दें

पति के छोटे प्रयासों की सराहना करें, चाहे वह छोटी सी बात ही क्यों न हो। सराहना और धन्यवाद देने से रिश्ते में गर्मजोशी आती है। अगर वह कभी जल्दी घर आ जाएं या काम से वक्त निकालकर आपको कॉल कर दें तो खुशी को तुरंत जाहिर करें। उन्हें बताएं कि आपको उनका यह प्रयास अच्छा लगा।

एक-दूसरे को समय दें

रोजमर्रा की भागदौड़ में कपल्स अक्सर एक-दूसरे को समय देना भूल जाते हैं। एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं। साथ में टहलें, फिल्म देखें या कहीं घूमने जाएं। अगर आप दूसरे शहरों में हैं यानी लॉन्ग डिस्टेंस रहते हैं, तो दिन में एक बार वीडियो कॉल, एक वक्त पर डिनर करने या छोटे-छोटे मैसेज भेजकर एक दूसरे को वक्त दें।

उनकी भावनाओं को भी समझें

हो सकता है पति पर काम या जीवन का कोई तनाव हो, जिस वजह से वे भावनात्मक रूप से दूरी बनाए हुए हैं। बिना आरोप लगाए उनकी बातें भी सुनें।

नई शुरूआत की पहल करें

कभी-कभी रिश्ते को नई ऊर्जा देने के लिए एक साथ कोई नया काम या हॉबी शुरू करें। सरप्राइज दें, नोट लिखें या साथ में कोई कुकिंग क्लास, डांस क्लास या ट्रिप की योजना बनाएं।

खुद को समय और महत्व दें

पति प्यार नहीं करता, ये सोचकर दुखी होने या तनावग्रस्त होने के बजाय सकारात्मक रहने की कोशिश करें। पति के लिए खुद को भूल जाना सही नहीं है। अपने शौक, रुचि और दोस्तों को समय दें। आत्मनिर्भर, खुश और आत्मविश्वासी महिला अपने आप में आकर्षक होती है। जब आप खुश रहेंगी, तो रिश्ता भी बेहतर बनेगा।

जरूरत पड़े तो काउंसलर की मदद लें

अगर समस्या ज्यादा गहरी है और संवाद से हल नहीं हो रही है, तो कपल काउंसलिंग का सहारा लें। प्रोफेशनल मदद से दोनों की भावनाएं बेहतर तरीके से सामने आ सकती हैं।आपको समझना होगा कि किसी भी रिश्ते में दोनों की भागीदारी जरूरी है। केवल आपके प्रयास से यह मुमकिन नहीं, इसलिए उनसे बात करके दोनों मिलकर अपने रिश्ते में प्यार लाने के लिए प्रयास करें। इसके अलावा खुद की खुशियों और आत्म-सम्मान को नजरअंदाज न करें। अगर पति सच में आपकी कद्र करते हैं तो आपकी भावनाओं को समझने की कोशिश जरूर करेंगे।

लड़कों को ऐसे रखना चाहिए अपनी स्किन का ध्यान, ताकि ग्लो देखकर लड़कियां भी करें तारीफ

यदि आप नहीं चाहते कि आपके चेहरे की रंगत कहीं खो जाए तो सही स्किन केयर रूटीन फॉलो करें। यहां हम आपको पुरुषों के लिए सही स्किन केयर रूटीन के बारे में बताने जा रहे हैं

हर लड़की ये चाहती है कि उसका चेहरा हमेशा खिला खिल दिखे। इसके लिए लड़कियां महंगे महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करती हैं। इसके अलावा वो स्किन केयर ट्रीटमेंट भी कराती हैं। लेकिन लड़के इस मामले में काफी लापरवाह होते हैं। वो अपनी त्वचा का बिल्कुल ध्यान नहीं रखते। ऐसे में उनकी स्किन धूप, धूल और प्रदूषण की वजह से डल होने लगती है।

यदि आप नहीं चाहते कि आपके चेहरे की रंगत कहीं खो जाए तो सही स्किन केयर रूटीन फॉलो करें। यहां हम आपको पुरुषों के लिए सही स्किन केयर रूटीन के बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि इसके बाद आपका चेहरा भी खूबसूरत दिखे।

ये होना चाहिए मॉर्निंग रूटीन

सुबह के समय सीटीएम रूल फॉलो करना बेहद जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि रातभर में पसीने से स्किन पर काफी बैक्टीरिया जम जाते हैं, जिन्हें सही से साफी करना आवश्यक हो जाता है। इसके लिए अच्छे क्लींजर की मदद से अपने चेहरे को साफ करें। इसके बाद टोनर को चेहरे पर लगाएं। टोनर लगाने के बाद अच्छी मॉइश्चराइजर क्रीम को त्वचा पर लगाएं।

नाइट रूटीन भी है जरूरी

ये जरूरी नहीं है कि रात के समय भी आप सीटीएम फॉलो करें। अगर कर रहे हैं तो अच्छी बात है।

यदि सीटीएम फॉलो नहीं कर रही हैं तो सबसे पहले फेसवॉश से अपना चेहरा धोएं। इसके बाद आपको फेस सीरम लगाना है। इस फेस सीरम में विटामिन उ या नायसिनेमाइड होना चाहिए।

सनस्क्रीन सबसे अहम

हर लड़के को ये बात गांठ बांध लेनी चाहिए कि उनके लिए सनस्क्रीन काफी अहम है।

सनस्क्रीन आपकी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने का काम करती है। ऐसे में कम से कम 50 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। ध्यान रखें कि इसका इस्तेमाल आपको हर तीन से चार घंटे में करना होता है।

कहीं ज्यादा गुस्सा आना आपकी जान न ले ले? आप भी हैं शिकार तो हो जाइए सावधान

कई शोध इस बात को प्रमाणित कर चुके हैं कि ज्यादा गुस्सा आना आपके

संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसका आपके हृदय स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है, इतना ही नहीं इससे हार्ट अटैक का भी जोखिम बढ़ जाता है जिससे जान जाने का खतरा रहता है।

गुस्सा आना एक स्वाभाविक प्रकिया है, ये एक सामान्य मानवीय भावना है। किसी चीज को लेकर निराशा, गलत महसूस करने या स्थितियों से नियंत्रण खोने की प्रतिक्रिया में आपको गुस्सा आता है। इसे तनाव को कम करने के लिए शरीर के मैकेनिज्म का भी एक हिस्सा माना जाता है। हालांकि गुस्सा या कोई भी शारीरिक भावना तभी तक अच्छी है जब तक ये आपके नियंत्रण में रहती है।क्या आपको बहुत ज्यादा या लगातार गुस्सा आता रहता है? अगर हां तो सावधान हो जाइए, ये स्थिति आपकी सेहत को कई प्रकार से प्रभावित करने वाली हो सकती है। बहुत ज्यादा गुस्सा आने की समस्या हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। कुछ स्थितियों में इसके जानलेवा दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।कई शोध इस बात को प्रमाणित कर चुके हैं कि ज्यादा गुस्सा आने का आपके हृदय स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है।जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट बताती है कि अक्सर गुस्से में रहने वाले लोगों की रक्त वाहिकाओं में मौजूद कोशिकाएं ठीक से काम करना बंद कर देती हैं जिसके कारण कोरोनरी आर्टरी डिजीज होने का खतरा बढ़ जाता है।

हार्ट अटैक का बढ़ जाता है खतरा

साल 2015 में सकुर्लेशन जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि तीव्र स्तर के गुस्से के 2 घंटे के भीतर हार्ट अटैक होने की आशंका लगभग पांच गुना बढ़ जाती है। शोधकताओं ने बताया कि गुस्से की अवस्था में स्ट्रेस हार्मोन (जैसे एड्रेनालिन और कोर्टिसोल) बहुत तेजी से बढ़ते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर और दिल की धड़कन को असामान्य रूप से बढ़ा देते हैं। इससे हार्ट अटैक होने का खतरा बढ़ जाता है। लगातार गुस्सा करने वाले लोगों की धमनी में सूजन और संकुचन की दिक्कत भी अधिक होती है, जो समय के साथ धमनियों की कठोरता का कारण बनती है, इसके कारण भी हार्ट अटैक हो सकता है।

ज्यादा गुस्सा आने के और भी कई नुकसान

ज्यादा गुस्सा आने की समस्या सिर्फ हृदय स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, इसके और भी कई प्रकार के दुष्प्रभाव हो सकते हैं। बार-बार गुस्सा आने की समस्या मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर डालती है, जो डिप्रेशन और एंग्जायटी को बढ़ावा दे सकती है। गुस्सा आने की स्थिति नींद की समस्या उत्पन्न करने लगती है। इससे आपको एकाग्रता में कमी और निर्णय लेने की क्षमता पर भी असर हो सकता है।इस तरह का भावनाएं पाचन समस्याएं जैसे अल्सर, एसिडिटी को भी बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

धोनी की टीम को लेकर बांगड़ की भविष्यवाणी.....

'23 करोड़ की कीमत वाले दो क्रिकेटर्स को निकाल सकता है चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स'

एजेंसी

नई दिल्ली। बांगड़ ने कहा कि इन दोनों को रिलीज किए जाने पर सीएसके का पर्स में कुछ पैसे बच सकेंगे और वह अच्छे खिलाड़ियों को खरीद सकेंगे।आईपीएल 2025 पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है। टीम 10 में से आठ मैच हारकर अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। तीन मई को सीएसके का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से है। इस मैच से पहले भारत के पूर्व कोच रहे संजय बांगड़ ने धोनी और सीएसके को लेकर भविष्यवाणी की है। उन्होंने संभावना जताई है कि अगले सीजन के लिए मिनी ऑक्शन से पहले सीएसके रविचंद्रन अश्विन और मथीशा पथिराना को रिलीज कर सकती है। वहीं, हरभजन सिंह ने अश्विन का सही इस्तेमाल नहीं करने के लिए सीएसके टीम मैनेजमेंट की आलोचना की है। अश्विन को सीएसके ने मेगा ऑक्शन में 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं, पथिराना को सीएसके ने 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।बांगड़ ने कहा कि इन दोनों को रिलीज किए जाने पर सीएसके का पर्स में कुछ पैसे बच सकेंगे और वह अच्छे खिलाड़ियों को खरीद सकेंगे। उन्होंने कहा, 'वे अश्विन को रिटेन करते हैं या नहीं, यह एक और बड़ा सवाल होगा क्योंकि यहीं पैसा फंसा

हुआ है। यदि वे अपने पर्स को थोड़ा खाली करना चाहते हैं, तो इस बात को ध्यान रखें कि वे अश्विन का उतना उपयोग नहीं कर सके हैं और आगे न करना चाहेंगे। इस साल भी उन्होंने अश्विन का ज्यादा इस्तेमाल नहीं किया। इसलिए उस लिस्ट में से दो खिलाड़ी अश्विन और पथिराना हो सकते हैं, जिन्हें वे रिलीज कर सकते हैं। ये फैसला हालांकि, टीम मैनेजमेंट को लेना है कि वे उन्हें टीम में रखना चाहते हैं या शायद उनके लिए विकल्प ढूंढना चाहते हैं।'दूसरी ओर सीएसके के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने अश्विन का सही तरीके से उपयोग नहीं करने के लिए टीम मैनेजमेंट की आलोचना की। भज्जी ने साथ ही अश्विन के लिए नीलामी में इतनी बड़ी राशि का भुगतान करने के पीछे के तर्क पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'चेन्नई ने परिस्थितियों के आधार पर टीम का चयन नहीं किया था। अगर नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा पंजाब किंग्स के खिलाफ एक साथ खेलते तो चेन्नई सुपर किंग्स मैच जीत सकती थी।'अश्विन ने कहा, 'आपने अश्विन को बेंच पर रखने के लिए 10 करोड़ रुपये नहीं दिए। मुझे नहीं पता कि वह क्यों नहीं खेल रहे हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि उनका किसी से झगड़ा हुआ होगा।' अश्विन ने कहा, 'वह एकमात्र ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जिसने प्रदर्शन नहीं किया है। टीम के अन्य खिलाड़ी भी साधारण प्रदर्शन के बावजूद अब भी खेल रहे हैं, लेकिन अश्विन टीम से बाहर हैं। उन्हें पंजाब के खिलाफ खेलना चाहिए था, क्योंकि गेंद स्पिन कर रही थी।'

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर अप्रैल में 10 महीने के उच्चतम स्तर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर अप्रैल में 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। पीएमआई सर्वे में शामिल प्रतिभागियों ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की शुरूआत में विदेश से नया कारोबार 14 वर्षों में सबसे अधिक बढ़ा और इस मांग का नेतृत्व अफ्रीका, एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व और अमेरिका ने किया।भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि की गति अप्रैल में सुधरी है और उत्पादन जून 2024 के बाद सबसे तेज गति से बढ़ा है। शुक्रवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मार्च में 58.1 से बढ़कर अप्रैल में 58.2 हो गया।

यह दस महीनों में इस क्षेत्र में सबसे मजबूत सुधार दर्शाता है पीएमआई की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। उत्पादन वृद्धि में नवीनतम सुधार में योगदान देने वाला एक प्रमुख कारक नए व्यवसाय में तेज वृद्धि थी। विनिर्माण क्षेत्र की विस्तार दर को बेहतर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मांग से समर्थन मिला।सर्वेक्षण के अनुसार, कुल बिक्री को अंतर्राष्ट्रीय ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि से मदद मिली। पीएमआई सर्वे में शामिल प्रतिभागियों ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की शुरूआत में विदेश से नया कारोबार 14 वर्षों में सबसे अधिक बढ़ा और इस मांग का नेतृत्व अफ्रीका, एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व और अमेरिका ने किया।एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, "अप्रैल में नए निर्यात ऑर्डरों में उल्लेखनीय वृद्धि भारत में उत्पादन में संभावित बदलाव का संकेत दे सकती है, क्योंकि व्यवसाय उभरते व्यापार परिदृश्य और अमेरिकी टैरिफ घोषणाओं के अनुरूप खुद को ढाल रहे हैं।" इस सकारात्मक प्रवृत्ति के साथ-साथ रोजगार और क्रय गतिविधि में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।सर्वेक्षण में कहा गया है, "उत्पाद की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विनिमार्ताओं ने अप्रैल में अपने कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि जारी रखी।

सर्वेक्षण में भाग लेने वाले ठीक 9 प्रतिशत लोगों ने अतिरिक्त कर्मचारियों को काम पर रखा, तथा कथित तौर पर स्थायी और अस्थायी अनुबंधों की पेशकश की गई।"नये व्यवसाय के विकास के साथ-साथ क्रय गतिविधि में भी वृद्धि हुई, तथा इनपुट खरीद में नवीनतम तीव्र विस्तार का श्रेय आंशिक रूप से स्टॉक-निर्माण पहल को भी दिया गया।

2019 के बाद से सीईओ का वेतन 50 और कर्मचारियों का महज 0.9 फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ का औसत वेतन सालाना 17 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि वैश्विक सीईओ के औसत वेतन में 2019 के बाद से 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। असमानता का आलम यह है कि इसी दौरान कर्मचारियों का वेतन केवल 0.9 फीसदी ही बढ़ा है।ऑक्सफैम की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि एक अरबपति एक घंटे में एक औसत कर्मचारी की पूरे साल की कमाई से अधिक आय अर्जित करता है। आयरलैंड और जर्मनी में सबसे अधिक वेतन पाने वाले सीईओ हैं। 2024 में इनका औसत वेतन क्रमशः 67 लाख डॉलर और 47 लाख डॉलर रहने का अनुमान है। दक्षिण अफ्रीका में सीईओ का औसत वेतन 2024 में 16 लाख डॉलर जबकि भारत में यह 20 लाख डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। ऑक्सफैम इंटरनेशनल के कार्यकारी निदेशक अमिताभ बेहर ने कहा, साल दर साल हम यही देखते हैं। सीईओ का वेतन आसमान छूता है, जबकि श्रमिकों के वेतन में कोई खास बढ़ोतरी नहीं होती। यह व्यवस्था ठीक उसी तरह काम कर रही है, जैसा कि इसे बनाया गया है। लाखों कामकाजी लोग किराया, भोजन और स्वास्थ्य सेवा का खर्च उठाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि अमीर और अमीर हो रहे हैं।रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक सीईओ के वेतन में वृद्धि ऐसे समय में की गई है जब वर्तमान वेतन से कर्मचारियों के लिए जीवनयापन मुश्किल हो रहा है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर वेतन असमानता में कमी आई है पर यह कम आय वाले देशों में अब भी बहुत अधिक है।

भारतीय मुक्केबाजों ने एशियाई अंडर-15, अंडर-17 चैंपियनशिप में चार और स्वर्ण जीते

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजों ने पहली एशियाई अंडर 15 और अंडर 17 चैम्पियनशिप के आखिरी दिन चार और स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान का शानदार समापन किया। भारत ने कुल 15 स्वर्ण, छह रजत और 22 कांस्य पदक जीते और कजाखस्तान तथा उजबेकिस्तान के बाद तीसरे स्थान पर रहा।टूर्नामेंट के आखिरी दिन भारत के अंडर 17 दल ने चार स्वर्ण पदक जीते और चारों पदक लड़कियों को मिले। खुशी चंद (46 किलो) ने मंगोलिया की अल्तांजुल अल्तांगादास को 3 . 2 से हराया जबकि आहना शर्मा (50 किलो) और जन्नत (54 किलो) ने उजबेक प्रतिद्वंद्वियों पर 5 . 0 से जीत दर्ज की।अंशिका ने 80 प्लस किलोवर्ग में जोर्डन की जाना अलालावनेह को हराकर भारत को एक और स्वर्ण दिलाया। लड़कों के अंडर 17 वर्ग में देवांश (80 किलो) को रजत पदक से संतोष करना पड़ा जिन्हें फाइनल में कजाखस्तान के मुखामेदाली रूस्तेमबेक ने 5-0 से हराया। भारतीय अंडर 17 लड़कों की टीम ने एक रजत और छह कांस्य पदक जीते। अंडर 17 लड़कियों ने दो और रजत पदक जीते जो सिमरनजीत कौर (60 किलो) और हर्षिका (63 किलो) को मिले। लड़कियों ने चार स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक अपने नाम किए।दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने मेडिसन कीस को 0-6, 6-3, 6-2 से हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। स्वियातेक का सामना अब सेमीफाइनल में कोको गॉफ से होगा जिन्होंने मिर्रा आंद्रीवा को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में एरिना सबालेंका का सामना एलिना स्वितोलिना से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने मार्ता कोस्तियुक को 7-6, 7-6 से मात दी, जबकि स्वितोलिना ने मोयुका उचिजिमा को 6-2, 6-1 से हराया। पुरुष वर्ग में इटली के मातेओ अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को 6-3, 7-5 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना जैक ड्रेपर से होगा जिन्होंने टॉमी पॉल को 6-2, 6-2 से हराया।भारत ने पेरू के लीमा में जारी आईडब्ल्यूएफ युवा और जूनियर विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में अच्छी शुरूआत करते हुए दो कांस्य पदक जीते। ज्योशना साबार ने लड़कियों के 40 किलो वर्ग में कुल 129 किलो (56 और 72) वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने बुधवार को क्लीन और जर्क में रजत पदक जीता था। युवा लड़कों के 49 किलो वर्ग में हर्षवर्धन साहू ने 197 किलो वजन (87 और 110) उठाकर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने क्लीन और जर्क में भी कांस्य जीता था। विश्व चैंपियनशिप में स्नैच, क्लीन और जर्क और कुल तीन पदक दिये जाते हैं।भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद पोलैंड के वारसॉ में जारी सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि स्लोवेनिया के ब्लादीमिर फेडोसीव ने खिताब जीता। ग्रैंड शतरंज टूर पर पहली बार खेल रहे भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम संयुक्त सातवें स्थान पर रहे फेडोसीव ने ब्लिट्ज वर्ग में नौ में से 7.5 अंक हासिल किए और उनका कुल स्कोर 36 में से 26.5 रहा। उन्हें जीत के साथ 40000 डॉलर पुरस्कार के तौर पर मिले। फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव दूसरे और प्रज्ञानंदा तीसरे स्थान पर रहे । वाचियेर लाग्रेव को 30000 डॉलर और प्रज्ञानंद को 25000 डॉलर मिले ग्रैंड शतरंज टूर की तालिका में वाचियेर लाग्रेव शीर्ष पर हैं जबकि प्रज्ञानंद दूसरे स्थान पर है।

टीम बाहर हो चुकी, लेकिन अपने गुणगान में जुटे फक्रके कोच

'हम युवा खिलाड़ियों को सुपरस्टार बनाते हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। मुंबई के खिलाफ हार के साथ ही टीम के प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। हालांकि, टीम के फील्डिंग कोच दिशांत याग्निक अपने और अपनी टीम के गुणगान में जुटे हैं। याग्निक ने कहा कि मेगा नीलामी से पहले जोस बटलर और ट्रेंट बोल्ट जैसे सुपरस्टार को रिलीज करने की आलोचना के बावजूद उनकी टीम युवाओं का समर्थन करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि हमारी टीम युवा खिलाड़ियों को सुपरस्टार बनाती है राजस्थान रॉयल्स के 11 मैचों में केवल छह अंक हैं और वह अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। मुंबई इंडियंस ने गुरुवार को आरआर को 100 रन से हराया। रॉयल्स की टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं जिनमें आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी शामिल हैं, लेकिन इस टीम को इंग्लैंड के सीमित ओवरों के पूर्व कप्तान बटलर और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बोल्ट की बड़ी कमी खल रही है।याग्निक से जब पिछले साल की टीम और इस साल की टीम के बीच अंतर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'स्टार (खिलाड़ियों) के बारे में आपके प्रश्न में एक बड़ा मुद्दा है। जब भी कोई नया खिलाड़ी आता है, तो वह स्टार नहीं होता है, लेकिन उसे स्टार बनाया जाता है।

गॉफ मैड्रिड ओपन के फाइनल में, रूड ने मेदवेदेव को हराया; महिला हॉकी में भारत-ऑस्ट्रेलिया का मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। शतरंज, टेनिस, हॉकी, फुटबॉल समेत खेल जगत की रोचक खबरें यहां पढ़ें...मैड्रिड अमेरिका की स्टार खिलाड़ी कोको गॉफ ने गत चैंपियन इगा स्वियातेक को 6-1, 6-1 से हराकर पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। गॉफ ने पहले सेट में तीन बार और दूसरे सेट में दो बार स्वियातेक की सर्विस तोड़ी। उन्होंने इस क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल का यह मुकाबला केवल 64 मिनट में अपने नाम किया। फाइनल में गॉफ का मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका या एलिना स्वितोलिना से होगा।

बिलावल ने आतंकी संगठनों से पाकिस्तान की साठगांठ कबूली

बोले- मुझे नहीं लगता कि यह किसी से छिपा हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के मंत्रियों और नेताओं की ओर से आतंक को पनाह देने का कबूलनामा 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक हमले के बाद से ही सामने आ रहा है। भारत की ओर से सख्त कार्रवाइयों और जवाबी कार्रवाई के डर से पाकिस्तान के नेताओं की बौखलाहट ने मुल्क का असली चेहरा दुनिया के सामने ला दिया है जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की बौखलाहट जगजाहिर हो गई है। आए दिन उसके नेता कोई न कोई बड़बोलापन दिखा रहे हैं। पहले उनके रक्षा मंत्री और अब उनके पूर्व विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के आतंक का पनाहगार होने की बात कबूल ली है। पहलगाम हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की निर्मत हत्या कर दी थी। पाकिस्तान की ओर से पोषित आतंकी

समूह लश्कर-ए-तैयबा ने इस हमले की साजिश रची थी इस बीच पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने खुद कबूल कर लिया है कि उनके मुल्क के आतंकी समूहों के साथ संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अतीत रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान के दहशतगर्दों के साथ संबंध रहे हैं। यह कबूलनामा उनके रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की आतंकवादी समूहों को समर्थन और वित्त पोषण में पाकिस्तान की संलिप्तता को स्वीकार करने के बाद सामने आया है। बिलावल ने आतंकवाद के साथ पाकिस्तान के इतिहास को स्वीकार करते हुए दावा किया कि इसका देश को नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि, बाद से इसमें सुधार हुआ। गुरुवार को स्काई न्यूज से बातचीत में भुट्टो ने कहा, 'जहां तक रक्षा मंत्री ने कहा है, मुझे नहीं लगता कि यह कोई रहस्य है कि पाकिस्तान का अतीत रहा है। इसी वजह से हमने नुकसान उठाया है। पाकिस्तान ने काफी नुकसान सहा है। हम चरमपंथ, आतंकवाद की लहर से गुजरे हैं। हमने जो कुछ भी झेला है, उससे सबक लिया है। इस समस्या को हल करने के लिए हमने आंतरिक सुधारों को अपनाया है।'भुट्टो ने आगे कहा, 'जहां तक पाकिस्तान के इतिहास का सवाल है। यह सच है। यह ऐसा कुछ नहीं है, जिसमें हम आज हिस्सा ले रहे हैं। यह सच है कि यह हमारे इतिहास का एक दुर्भाग्यपूर्ण हिस्सा है। इससे पहले गुरुवार को मीरपुर खास में एक रैली को संबोधित करते हुए बिलावल भुट्टो ने एक बार फिर खोखली बयानबाजी की थी। उन्होंने गीदड़भभकी देते हुए दावा किया था कि पाकिस्तान शांति चाहता है, लेकिन अगर भारत ने उन्हें उकसाया, तो वे युद्ध के लिए तैयार हैं।

अमेरिका में कश्मीरी हिंदुओं ने बुलंद की आवाज

पहलगाम पर बोले- वैश्विक शक्तियां उठाएं सख्त कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका में कश्मीरी हिंदुओं ने पहलगाम हमले को लेकर

आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि हमले ने सुरक्षा तैयारी में खामियों और कश्मीर में अल्पसंख्यक समुदायों के लिए खतरों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पाकिस्तान के साथ केवल राजनयिक संबंध तोड़ना या व्यापार पर रोक लगाना ही पर्याप्त नहीं है।पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अमेरिका में कश्मीरी हिंदुओं ने आतंकी घटनाओं के प्रति जवाबदेही को लेकर आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि कश्मीर में बढ़ रहे आतंकवाद को रोकने के लिए वैश्विक शक्तियां सख्त कदम उठाएं। प्रवासी सदस्यों ने कहा कि 22 अप्रैल को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा के दौरान हुए हमले ने सुरक्षा तैयारी में खामियों और कश्मीर में अल्पसंख्यक समुदायों के लिए खतरों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इंडो-अमेरिकन कश्मीर फोरम (आईएकेएफ) के अंतरराष्ट्रीय समन्वयक डॉ. विजय सजावल ने दावा किया कि यह हमला एक रोकी जा सकने वाली त्रासदी थी। हजारों पर्यटक रोजाना इस मार्ग का इस्तेमाल करते हैं, फिर भी हमले के दिन कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं दिखी। एक हाई-प्रोफाइल राजनयिक यात्रा के बावजूद जोखिम के आकलन को नजरअंदाज कर दिया गया।उन्होंने कहा कि जबकि हमारा ध्यान अक्सर सीमा पार आतंकवाद पर केंद्रित रहता है।

लेकिन भारत में आतंकवाद को आंतरिक समर्थन भी मिल रहा है। कई भूमिगत कार्यकर्ता हैं, जो चुपचाप आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देते हैं। उन्होंने दावा किया कि न्यायिक देरी और प्रशासनिक अक्षमताओं के कारण भी ऐसे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो पाती। पद्मश्री से सम्मानित और ओक्लाहोमा में रहने वाले शिक्षाविद् डॉ. सुभाष काक ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद साफ है कि पाकिस्तान के साथ केवल राजनयिक संबंध तोड़ना या व्यापार पर रोक लगाना ही पर्याप्त नहीं है। ह्यूस्टन में रहने वाले कश्मीरी पंडित अमित रैना ने कहा कि कई लोगों के लिए यह एक चौंकाने वाली घटना थी। मगर हमारे लिए यह एक बार-बार आने वाला बुरा सपना है।

निगेल फरेज की रिफॉर्म यूके पार्टी को संसद में एक और सीट पर मिली जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिटेन में निगेल फरेज के नेतृत्व वाली कट्टर दक्षिणपंथी रिफॉर्म यूके ने संसद ने एक और सीट पर जीत हासिल कर ली है। पार्टी की सारा पोचिन उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के रनकॉर्न और हेल्स्बी सीट पर छह वोटों से विजयी होकर संसद पहुंची हैं। उन्होंने इस सीट पर लेबर पार्टी के उम्मीदवार करेन शोर को हराया। संसद में में अब रिफॉर्म यूके पार्टी के पास पांच सीटें हो गईं हैं। अब पार्टी को उम्मीद है कि स्थानीय चुनाव में उसे बढ़त मिलेगी। ब्रिटेन के 650 सीटों वाले हाउस ऑफ कॉमन्स में अभी लेबर पार्टी के पास सबसे ज्यादा सीटें हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर कंजर्वेटिव पार्टी की सीटें आती हैं। अब यहां दक्षिणपंथी पार्टी रिफॉर्म यूके भी मुख्य राजनीतिक धारा में आ रही है। पिछले साल हुए चुनाव में रनकॉर्न और हेल्स्बी सीट पर लेबर पार्टी को जीत मिली थी लेबर पार्टी के सांसद माइक एम्सबरी ने नशे में एक मतदाता को मुक्का मार दिया था। इसके बाद एम्सबरी को पद छोड़ना पड़ा था। इसके चलते इस सीट पर दोबारा चुनाव हुए। रिफॉर्म को इस सीट पर ब्रिटिश इतिहास में सबसे कम अंतर से मिली है। इसे लेकर फरेज ने कहा कि राजनीति के लिए यह वास्तव में एक बहुत बड़ा क्षण है।

भारत की सख्ती से पाकिस्तान बेहाल; आनाकानी के बाद वाघा बॉर्डर पर फंसे नागरिकों को वापस लेने को मजबूर

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वाघा बॉर्डर भविष्य में भी खुला रहेगा। पाकिस्तान ने पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने के भारत सरकार के फैसले की आलोचना की और कहा कि इससे गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है।भारत की सख्ती से पाकिस्तान

परेशान हो गया है। भारत सरकार के देश छोड़ने के आदेश के बाद कई पाकिस्तानी वाघा बॉर्डर पर फंस गए हैं। अब पाकिस्तान की सरकार ने एलान किया है कि वे वाघा बॉर्डर पर फंसे पाकिस्तानी नागरिकों को वापस लेगा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने का एलान कर दिया और पाकिस्तानी नागरिकों को एक तय समयसीमा के भीतर देश छोड़ने का निर्देश दे दिया गया। पाकिस्तानियों के भारत छोड़ने की समय सीमा 30 अप्रैल को समाप्त हो गई, जिसके बाद गुरुवार को अटारी-वाघा बॉर्डर बंद रही। हालांकि कम से कम 70 पाकिस्तानी नागरिक गुरुवार को भी अटारी-वाघा बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। मीडिया से बात करते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सीमा पर फंसे पाकिस्तानी नागरिकों को लेकर कहा कि 'हमें उन मीडिया रिपोर्ट्स की जानकारी है, जिनमें कुछ पाकिस्तानी नागरिकों के अटारी सीमा पर फंसे होने की जानकारी मिली है। हम अपने नागरिकों को वापस लेने के लिए तैयार हैं। भारतीय अधिकारी उन्हें सीमा पार करने की इजाजत दें।' पाकिस्तान ने पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने के भारत सरकार के फैसले की आलोचना की और कहा कि इससे गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है क्योंकि इससे भारत में इलाज करा रहे परिवार प्रभावित हुए हैं।

बाल सुरक्षा कार्यक्रमों में शोध को समाप्त करने की तैयारी में ट्रंप प्रशासन

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन लगातार संघीय बजट को कम करने की कोशिशों में जुटा है। इसके तहत कई एजेंसियां और विभाग बंद किए जा रहे हैं। अब ट्रंप प्रशासन बच्चों के कल्याण कार्यक्रमों के लिए होने वाले शोध के लिए दिए जाने वाले अनुदान को समाप्त करने की योजना बना रहा है। गलती से भेजे गए एक ईमेल से यह खुलासा हुआ है। जिसके बाद ट्रंप प्रशासन लोगों के निशाने पर आ गया है। गौरतलब है कि कई विश्वविद्यालय देश में चल रहे बाल कल्याण कार्यक्रमों जैसे हेड स्टार्ट आदि को बेहतर बनाने के लिए शोध करते हैं। ट्रंप प्रशासन अब इन विश्वविद्यालयों को दिए जाने वाले अनुदान को ही समाप्त करने पर विचार कर रहा है। लीक हुए ईमेल के अनुसार, अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के तहत आने वाले 150 से ज्यादा शोध कार्यक्रमों को बंद किया जा सकता है। अमेरिका के योजना, शोध और समीक्षा कार्यालय द्वारा कम आय वर्ग से आने वाले बच्चों की मदद, बाल विकास, प्रताड़ना रोकने के लिए यह अनुदान दिया जाता है। ट्रंप प्रशासन अगर यह अनुदान रोकता है तो इससे स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग और कमजोर होगा।

ट्रंप के बाद वेंस ने मोदी को बताया 'बेहतर वार्ताकार'

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'तगड़ा और कड़ा सौदेबाज' बताया है। उन्होंने कहा कि भारत ने लंबे समय से अमेरिका का फायदा उठाया है, लेकिन अब दोनों देशों के बीच व्यापार संतुलित करने की कोशिश हो रही है।अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक 'बेहतर वार्ताकार' कहा है। इसके साथ ही उन्होंने भविष्यवाणी की है कि भारत उन पहले देशों में शामिल हो सकता है जो पारस्परिक टैरिफ से बचने के लिए व्यापार समझौता करेगा। गुरुवार को एक समाचार चैनल को दिए एक साक्षात्कार में जेडी वेंस ने कहा कि टैरिफ पर भारत के साथ अच्छी बातचीत चल

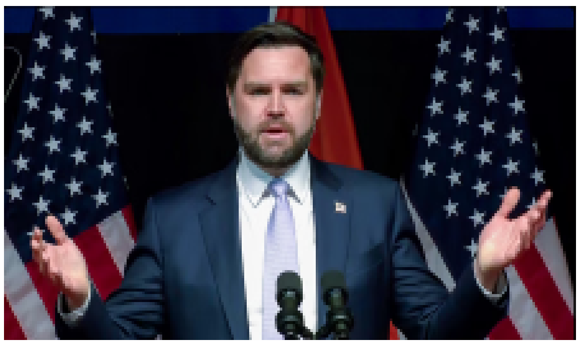

रही है।बता दें कि, भारत उन देशों में शामिल है जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से घोषित उच्च आयात करों से बचने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं, जिनमें से अधिकांश अभी रुके हुए हैं। इस साक्षात्कार के दौरान जेडी वेंस ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी एक सख्त वार्ताकार हैं, लेकिन हम उस रिश्ते को फिर से संतुलित करने जा रहे हैं, और यही कारण है कि राष्ट्रपति जो कर रहे हैं, वह कर रहे हैं।'अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को भारत, चीन और कई अन्य देशों पर भारी टैक्स लगाने का ऐलान किया था। हालांकि, 9 अप्रैल को ट्रंप ने इन टैक्स पर 90 दिन की रोक लगा दी है, जो 9 जुलाई तक रहेगी। लेकिन इस राहत में चीन और हांगकांग शामिल नहीं हैं। भारत समेत करीब 75 देशों ने अमेरिका से नई व्यापार डील की मांग की है। फिलहाल अमेरिका ने 10 फीसदी का बेसलाइन टैक्स लागू रखा है, साथ ही स्टील, एल्युमिनियम और ऑटो पार्ट्स पर 25 फीसदी का भारी शुल्क भी जारी है।जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका का मकसद सिर्फ व्यापार को संतुलित करना है। उन्होंने कहा, 'भारत में अभी हमारे किसानों के लिए बाजार बंद है। अमेरिका के किसान बेहतरीन कृषि उत्पाद उगाते हैं।

जातीय जनगणना के ऐतिहासिक निर्णय पर ओबीसी मोर्चा गोरखपुर में जश्न, पीएम मोदी के प्रति आभार

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश में जातीय जनगणना कराए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए आज भाजपा पिछड़ा मोर्चा गोरखपुर महानगर की ओर से एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बेनीगंज स्थित भाजपा कार्यालय में किया गया, जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष चिरंजीवी चौरसिया और महानगर अध्यक्ष रमेश चंद्र गुप्ता मौजूद रहे। प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के इस निर्णय को साहसिक और ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे ओबीसी समाज को अपनी पहचान, अधिकार और सम्मान प्राप्त करने का रास्ता खुलेगा। चिरंजीवी चौरसिया ने कहा कि þप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा, वह करके दिखाया। यह निर्णय सामाजिक न्याय

की दिशा में एक बड़ा कदम है। वक्ताओं ने कांग्रेस, सपा और अन्य गैर-भाजपाई दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि "वर्ष 1931 के बाद पहली बार जातीय जनगणना का साहसिक निर्णय किसी प्रधानमंत्री ने लिया है, जबकि दशकों तक शासन में रहने वाली पार्टियां केवल दिखावा करती रहीं।" उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी परिवार सहित कई दलों ने आरक्षण और पिछड़े वर्गों के हक का सदैव विरोध किया। प्रेस वार्ता के दौरान यह भी घोषणा की गई कि महानगर के सभी मंडलों और क्षेत्रों में ओबीसी मोर्चा द्वारा जश्न मनाया जाएगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया जाएगा। ढोल-नगाड़ों और लड्डुओं के साथ यह खुशी पूरे शहर में मनाई जाएगी। ओबीसी मोर्चा ने यह भी कहा कि आने वाले चुनावों में ओबीसी समाज पूरी ताकत के साथ प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में खड़ा रहेगा।

गोरखपुर जं.-गोरखपुर कैंट तीसरी लाइन का निर्माण पूर्ण, रेल संरक्षा आयुक्त ने किया निरीक्षण

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा गोरखपुर जंक्शन से गोरखपुर कैंट के मध्य तीसरी रेलवे लाइन के निर्माण कार्य के पूर्ण हो जाने के उपरांत रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर-पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना द्वारा शुक्रवार को गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नव स्थापित इलेक्ट्रॉनिक

इंटरलॉकिंग सिस्टम का विस्तृत अवलोकन किया तथा पूर्ण रेलखंड पर स्पीड ट्रायल भी संपन्न किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम में रेलवे मुख्यालय के संबंधित प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल तथा विभिन्न शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह निरीक्षण नई लाइन की तकनीकी गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और परिचालन सुगमता के मद्देनजर किया गया। इस तीसरी लाइन के चालू हो जाने से गोरखपुर रेलखंड पर ट्रेनों के संचालन में समय की बचत, यातायात दबाव में कमी तथा यात्रियों को बेहतर सुविधा प्राप्त होगी।

अवैध अस्पताल में लापरवाही से गर्भवती महिला की मौत, तीन आरोपी गिरफ्तार, दो अस्पताल सील

गोरखपुर। गोरखपुर जनपद के बांसगांव क्षेत्र में एक अवैध रूप से संचालित निजी अस्पताल में प्रसव के

दौरान हुई महिला की मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो पुरुष अभियुक्तों व एक महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर महिला अपराधों की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी बांसगांव के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक प्रेम पाल सिंह और पुलिस टीम द्वारा की गई।

गिरफ्तार अभियुक्तः

1. पन्ने लाल दास (जगरनाथपुर, थाना गगहा)
2. नीरज कुमार (पुत्र पन्ने लाल दास)
3. गंगोत्री देवी (आशा कार्यकर्त्री, गोहली बसंत, बांसगांव)

घटना विवरणः

वादी के अनुसार, दिनांक 27 अप्रैल 2025 को वह अपनी गर्भवती पत्नी को प्रसव हेतु आशा बहु गंगोत्री देवी के साथ बांसगांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गया। डॉक्टरों ने रेफर किया, लेकिन आशा बहु ने दबाव बनाकर उसे अपनी पहचान के एक निजी अस्पताल - गोविंद हास्पिटल, बघराई में भर्ती करा दिया। वहाँ अप्रशिक्षित लोगों द्वारा ऑपरेशन के दौरान उसकी पत्नी की हालत बिगड़ने लगी। गोरखपुर ले जाते समय रास्ते में उसकी मृत्यु हो गई। इस गंभीर लापरवाही पर थाना बांसगांव में मु.अ.सं. 226/2025, धारा 318(2), 319(2), 105, 3(5) बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया।

जांच में खुलासाः

गोविंद अस्पताल पूरी तरह अवैध रूप से संचालित था, कोई पंजीकरण नहीं था।

आशा बहु गंगोत्री देवी का अस्पताल से संपर्क था और कमीशन भी प्राप्त करती थी।

अभियुक्त पन्ने लाल व नीरज द्वारा एक अन्य अवैध अस्पताल "श्री हरि मेडिकेयर", टेकवार, उनवल का संचालन भी किया जा रहा था, जिसे भी आज 2 मई को सील कर दिया गया है।

पंजीकृत मुकदमेः

1. गोविंद अस्पताल, बघराईः मु.अ.सं. 228/2025, धारा 318(2)/319(2) बीएनएस, 34 एनएमसी एक्ट
2. श्री हरि मेडिकेयर, उनवलः मु.अ.सं. 156/2025, धारा 318(2)/319(2) बीएनएस, 34 एनएमसी एक्ट

बरामदगीः

एक वैगनआर कार

गिरफ्तारी टीम में शामिलः

प्रभारी निरीक्षक प्रेम पाल सिंह, उ.नि. रावेन्द्र पाल, उ.नि. अभिषेक राय, हे.का. दिनेश कुमार गौतम, का. संजीव वर्मा, का. अमन कुमार, म.का. प्रतिभा सिंह, का. देवश वर्मा (थाना बांसगांव, गोरखपुर)

पुलिस द्वारा इस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

बारी महाकुंभ 2025: सामाजिक एकता की आड़ में निजी राजनीतिक स्वार्थ की सिद्धि?

लखनऊ । लखनऊ स्थित उत्तराखंड गेस्ट हाउस में आयोजित बारी महाकुंभ को लेकर अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। जिस उद्देश्य को लेकर देश भर से समाज के युवा, बुजुर्ग और पदाधिकारी आमंत्रित किए गए थे—वह उद्देश्य अब प्रश्नों के घेरे में आ चुका है। आयोजन को सामाजिक एकता, जागरूकता और संगठनात्मक मजबूती के मंच के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन सामने आई तस्वीरें और घटनाक्रम यह दर्शा रहे हैं कि असल मकसद कुछ और ही था। सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आयोजकों में प्रमुख रूप से बारी अजय आर्य, अनूप बारी और सुनील बारी ने इस मंच का इस्तेमाल अपनी व्यक्तिगत राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को हवा देने के लिए किया। देश और प्रदेश के कोने-कोने से बुलाए गए लोगों को केवल भीड़ के रूप में प्रस्तुत किया गया, न कि

समाजहित के निर्णयों में उन्हें शामिल किया गया। इस बात की पुष्टि आयोजन के बाद किसी भी प्रकार की समीक्षा बैठक का न होना करता है। मंच संचालन, सम्मान सूची, और सुरक्षा व्यवस्थाएं पहले से ही विवादों में घिरी रहीं—इन सबके बीच आयोजन की आड़ में तीन चेहरों की व्यक्तिगत ब्रांडिंग ज्यादा उजागर हुई। अब जब आयोजन समाप्त हो गया है, तब कहीं जाकर स्पष्ट हो रहा है कि यह þमहाकुंभÿ असल में एक सुनियोजित प्रयास था जिससे समाज के नाम पर व्यक्तिगत राजनीतिक स्वार्थ साधे जा सकें। आयोजन से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जो इस पूरे कथानक को और अधिक स्पष्टता से सामने रख रहे हैं।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि बारी महाकुंभ 2025 की आड़ में समाज का नहीं बल्कि व्यक्तियों का प्रचार-प्रसार हुआ, और यदि अब भी समाज के लोग इसे समझ नहीं पा रहे हैं, तो यह भविष्य के लिए एक चेतावनी स्वरूप है।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर एस.आई. न्यूज ने दी शुभकामनाएं, कहा – पत्रकारिता लोकतंत्र की आत्मा है

गोरखपुर। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एस.आई. न्यूज ने देशभर के पत्रकारों, संपादकों, रिपोर्टरों और मीडिया कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

एस.आई. न्यूज ने अपने संदेश में कहा कि पत्रकारिता केवल सूचना देने का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। एक स्वतंत्र और निर्भीक प्रेस किसी भी राष्ट्र की प्रगति और जनहित के लिए अनिवार्य है। इस अवसर पर एस.आई. न्यूज ने उन पत्रकारों को भी दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दिया, जिन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए साहस और सत्य के साथ समाज को जगाने का कार्य किया। संस्था के संपादक ने कहा, "हम अपने दर्शकों और पाठकों के भरोसे को सर्वोच्च मानते हैं। प्रेस की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बनाए रखना ही हमारी प्राथमिकता है।" विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस हर वर्ष उन मूल्यों को याद दिलाता है जिन पर एक जिम्मेदार और स्वतंत्र मीडिया आधारित होता है। एस.आई. न्यूज सभी पत्रकारों को इस दिन पर प्रेरणा, साहस और सतत प्रयास के लिए शुभकामनाएं देता है।

ट्रैवल प्वाइंट की नई शाखा का शुभारंभ, जायरीन को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

हज, उमराह और अन्य धार्मिक यात्राओं के लिए सस्ती और सुरक्षित सेवाएं उपलब्ध

गोरखपुर, संवाददाता ।धार्मिक यात्राओं को और अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए ट्रैवल प्वाइंट की दूसरी शाखा का

उद्घाटन गुरुवार को जाहिदाबाद, गोरखनाथ क्षेत्र में किया गया। इस अवसर पर बरकत अली ने विधिवत रूप से शाखा का शुभारंभ किया। ट्रैवल प्वाइंट के प्रबंधक नेहाल अहमद ने बताया कि संस्था का उद्देश्य हज, उमराह और अन्य यात्राओं को सुलभ, सुरक्षित और किफायती बनाना है। नई शाखा के माध्यम से जायरीन को एक ही स्थान पर सारी आवश्यक सुविधाएं उचित दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी। नेहाल अहमद ने बताया कि ट्रैवल प्वाइंट से देश-विदेश में जियारत और पर्यटन के लिए रियायती दरों पर आकर्षक पैकेज उपलब्ध हैं। यहां उमराह, हज और अन्य टूर के लिए समर्पित काउंसलिंग, टिकट बुकिंग, वीजा सहायता, और गाइड सुविधा जैसे व्यापक सेवाएं दी जा रही हैं। शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने उमराह पैकेज और अन्य यात्राओं से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस दौरान अब्दुल कलाम, मुहम्मद गुलाम, मुहम्मद एखलाक, जीशान अहमद समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। ट्रैवल प्वाइंट के इस नए प्रयास से क्षेत्रीय जायरीन को अब और बेहतर सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

The heads of the organizations cooperating in the Urs were welcomed and honored by the Dargah Committee

The heads of the organizations cooperating in the Urs were welcomed and honored by the Dargah Committee

Gorakhpur. On the occasion of the death of Hazrat Baba Mubarak Khan Shaheed Rahmatullah Alaih on 25, 26 and 27 April, in recognition of the cooperation extended by various organizations of the metropolis on the occasion of Urs, the President of the Dargah Committee, Iqrar Ahmed, honored all the committee members and office bearers by presenting them with robes.""On this occasion, the National President of the All India Urs Committee, Muhammad Raza Laddan Khan and National Vice President Asrar Alam were honored by presenting robes in a simple ceremony." On this occasion, Dargah Committee Chairman Iqrar Ahmed, Vice President

Shamshir Ahmed Sheru, Haji Kaleem Ahmed Farzand and Haji Ibteda welcomed and honoured the heads of all the supporting organisations on behalf of the Dargah. It is praiseworthy. On this occasion, All India Usur Committee Chairman Muhammad Raja Laddan Khan and Asrar Alam said that the Urs of Mubarak Khan Shaheed Rahmatullah Alaih is a history in itself. They said that the purpose of forming the Urs Committee is to help and assist each other on the occasion of Urs falling at all the Dargahs and Khanqahs.

A Successful Step Towards Women Empowerment

Gorakhpur | Beauty parlors serve as a vital establishment offering a wide range of aesthetic services including hair styling, cutting, coloring, manicures, pedicures, and waxing, catering to both men and women. In the journey toward women empowerment and self-reliance, various schemes run by the Central and State Governments are enabling women to become independent entrepreneurs. On the inauguration of the "She & Me Salon Academy" in Padri Bazaar, Mrs. Gorakhpur titleholder Jaya Gupta emphasized the growing role of women in all sectors. She formally inaugurated the academy by cutting the ribbon, and shared her views, saying, "Today's women are not behind in any field. If given the opportunity, they can establish their own identity in business as well. Women today are ready to face every challenge of life. She congratulated all women present at the event and encouraged them by saying, "This establishment will become a new center of self-confidence for you. Salon owner Jyoti added that their parlor maintains high health and safety standards, and ensures quality service. The parlor is equipped with modern styling tools such as hair dryers, plastic and heated rollers, cutting tools, detangling brushes, and more.""Professional and experienced staff will serve customers, aiming to build trust and loyalty through excellent service and personalized care.

One May Day was celebrated with Zeal & Enthusiasm by the Railway Workers at Mechanical Workshop Gorakhpur

we are duty bound to take the labour movement forward- A K Singh(General Secretary)

Gorakhpur.On the occasion of 1st May Day, a meeting of North Eastern Railway Employees Union(PRKS) was organized in Mechanical Workshop, Gorakhpur. Speaking in the meeting, the General Secretary of the Union Arvind Kumar Singh said that today is the most important day for the workers of the world."It is because of this day only , the process of freeing the workers from exploitation, oppression and terror begun."He said that the picture of oppression of workers which the world has seen was very horrifying & disturbing ."Arvind Kumar Singh said that for the first time, the coal mine workers of Africa started this movement against feudal oppression and inspired by it, the mine & construction workers of Australia made this movement widespread." The lamp of the movement lit by the workers gradually became a torch in 1886 and spread all over the world, the result of which the world saw in the form of a massacre on May 4 in Hay Market, Chicago, where several dozen workers were killed and the US government hanged 5 leaders who led this movement."Today is the day of sacrifice of the workers, so it is very sacred for us."The patron of the Sangh, Radheshyam Singh said that I am a worker& cader of the labor movement, so I remain involved in the fight of all the workers including the railways, sugar & fertilizer . By paying tribute to the workers on this day, we express our gratitude to them."The Divisional Secretary of the Sangh, Mechanical Workshop , R P Bhatt, while addressing the gathering, eloborated the history of the labor movement."Youth Wing secretary of the workshop division,Nishant Yadav told the youth that the responsibility of protecting the rights that are obtained by sacrifices of our great forefathers, lies on us youths, it is the responsibility of all of us to protect it and take it forward."DK Tiwari, RK Sharma, Devendra Yadav, Rajiv Kumar Singh, Vineet Singh, Sanjay Singh, Rajesh Jaiswal, Vinay Yadav and many other employees and leaders were present in large numbers in the meeting.

Allegations of Deadly Attack on Satendra Bari During Bari Mahakumbh Spark Questions on Event Organizers !

Lucknow | During the Bari Mahakumbh held at Uttarakhand Guest House in Lucknow, a shocking incident has stirred controversy, as Satendra Bari, a member of the Uttar Pradesh Backward Classes Commission, was allegedly attacked during the event. The incident has ignited a wave of outrage across social media.""A viral video circulating online shows one of the event organizers behaving aggressively toward Satendra Bari, while other organizers on stage remained passive and unresponsive. Questions are now being raised about the bouncers deployed for stage security — were they there to protect Satendra Bari, or were they part of a pre-planned act of aggression?""Satendra Bari was officially invited to the event and was under administrative security. However, no additional protective measures were arranged by the organizing team. In the midst of the chaos and confrontation, a video captures Satendra Bari calmly telling police officers, "We are all brothers; I will not name anyone." This statement reflects his composure and deep commitment to communal harmony.""Nevertheless, members of the Bari community have taken to social media, demanding a direct explanation from the organizers. Many have voiced concern, saying, "If this is how a government official is treated, what can the common people expect?"""The incident has sparked a broader debate about safety, accountability, and transparency within community events.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।